ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

# काकी

## क्लास -७

**पाठ का नाम –काकी**

**पाठ -२**



Website: www.odmegroup.org
Email: info@odmps.org
Toll Free: 1800 120 2316
Sishu Vihar, Infocity Road, Patia, Bhubaneswar- 751024

# पाठ व्याख्या

एक दिन शामू ने एक पतंग उड़ती देखी। न जाने क्या सोचकर वह एकदम खिल उठा। बिसेसर के पास जाकर बोला—"काका, मुझे पतंग मंगा दो।"

पत्नी की मौत के बाद से बिसेसर उखड़े से रहते थे। "अच्छा, मंगा दूंगा।" कहकर वे उदास भाव से कहीं और चले गये।

शामू पतंग के लिए बहुत बेचैन था। वह अपनी चाह किसी तरह रोक न सका। खूंटी पर बिसेसर का कोट टंगा हुआ था। इधर-उधर देखकर उसने उसके पास स्टूल सरकाया। ऊपर चढ़कर कोट की जेबें टटोलीं। जेब से एक चवन्नी निकाली। शामू भागकर भोला के पास गया।

भोला सुखिया दासी का लड़का था। वह शामू की ही उम्र का था। शामू ने उसे चवन्नी देकर कहा—"अपनी जीजी से गुपचुप एक पतंग और डोर मंगा दो। देखो, खूब अकेले में लाना। कोई जान न पाये।"

पतंग आयी। एक अंधेरे घर में उसमें डोर बांधी जाने लगी। शामू ने धीरे से कहा—"भोला, किसी से न कहो तो एक बात कहूं।"

भोला ने सिर हिलाकर कहा—"नहीं, किसी से नहीं कहूंगा।"

शामू ने कहा—"मैं यह पतंग ऊपर राम के यहां भेजूंगा। इसे पकड़ कर काकी नीचे उतरेंगी। मैं लिखना नहीं जानता। नहीं तो इस पर उनका नाम लिख देता।"

भोला शामू से अधिक समझदार था। भोला ने कहा—"बात तो बड़ी अच्छी सोची। पर एक कठिनाई है। इसे पकड़कर काकी उतर नहीं सकती। इसके टूट जाने का डर है। पतंग में मोटी रस्सी हो, तो ठीक रहेगा।"

शामू गंभीर हो गया। बात तो लाख रुपये की सुझायी गयी है। पर परेशानी यह थी कि मोटी रस्सी मंगाये कैसे? पास में दाम हैं नहीं। घर के आदमी तो उसकी काकी को बिना दया-मया के जला आये थे। वे उसे इस काम के लिए कुछ नहीं देंगे। शामू को चिंता के मारे बड़ी रात तक नींद नहीं आयी।

शामू ने पहले दिन की तरकीब दूसरे दिन भी अपनायी। उसने बिसेसर के कोट से एक रुपया निकाला। ले जाकर भोला को दिया। बोला—"देख भोला, किसी को मालूम न होने पाये। दो बढ़िया रस्सियां मंगा दे। एक रस्सी छोटी पड़ेगी। जवाहिर भैया से मैं एक कागज पर 'काकी' लिखवा लूंगा। नाम



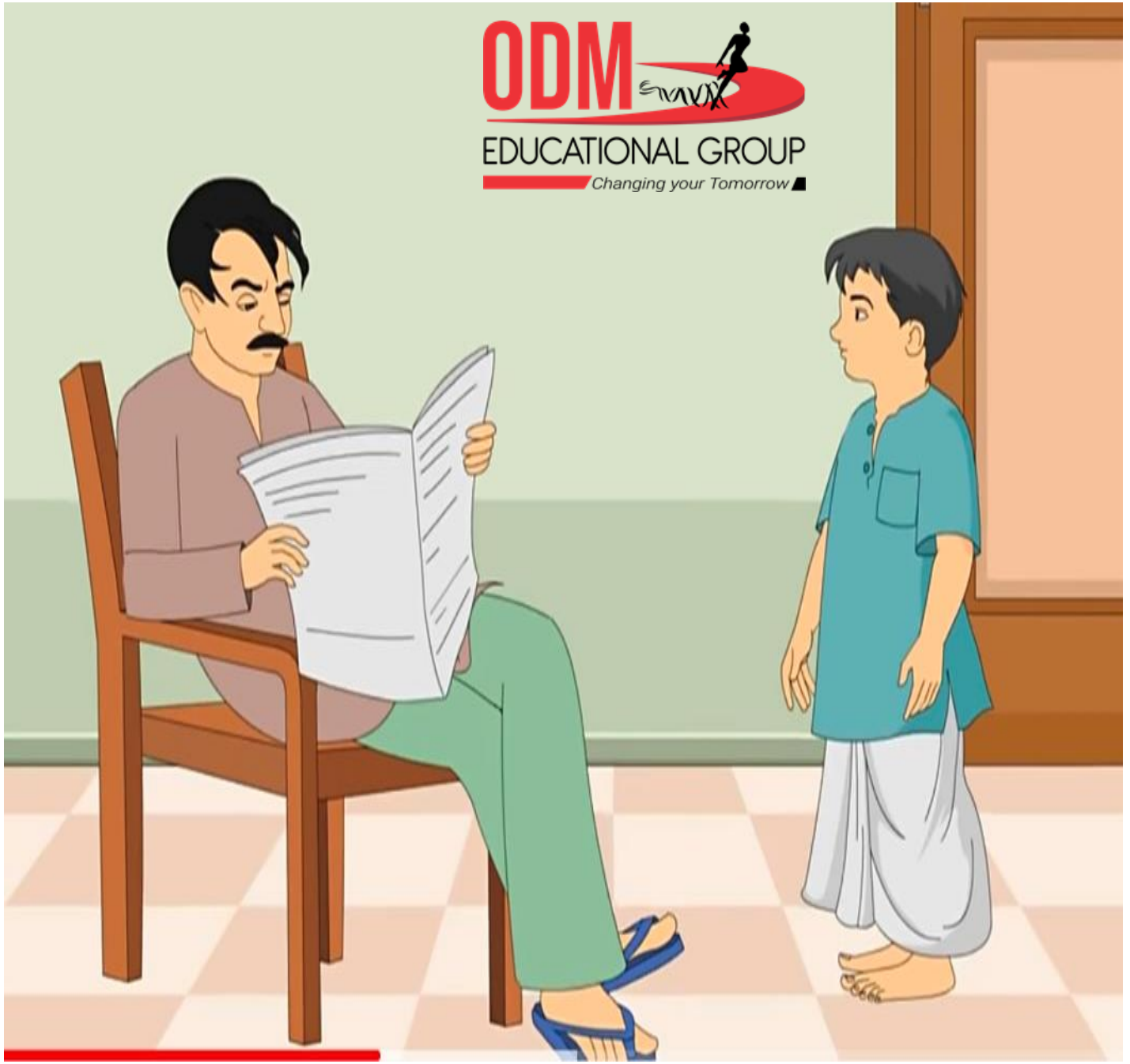

# शब्दार्थ

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

- खूंटी -कपड़े आदि टांगने की दीवार में लगी हुक
- पत्नी -पत्नी विवाहिता महिला होती है। पत्नी का विरुद्धार्थी शब्द पति होता है। पति और पत्नी मिलकर वैवाहिक जीवन को जीते हैं। गृहस्वामिनी होने से ग्रामीण भाषा में ये गृहवाली या घरवाली भी कही जाती है।
- समझदार –बुद्धिमान
- रस्सी -डोरी, रज्जु (जैसे—रस्सी से बाँधना, रस्सी टूट गई)
- तरकीब -उपाय, युक्ति, ढंग, तरीका

# गृहकार्य

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

- उदास भाव से कौन चले गए और क्यों ?
- भोला सिर हिलाकर क्या कहा ?
- पतंग राम के यहाँ क्यों भेजा जाएगा ?
- कौन ज्यादा समझदार था ?
- कौन और क्यों गंभीर हो गया ?
- मोटी रस्सी कैसे मंगाई जाए –किसने किसको क्यों कहा ?
- सभी लोग किसको निर्दयी लागे और क्यों ?
- पतंग पर काकी कौन लिखेंगे ?

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

# THANKING YOU

# ODM EDUCATIONAL GROUP